LESSON PLAN

KURMALI

पाठ योजना - 1

(1) विद्यालय का नाम - उत्क्रमित मध्य विद्यालय रूद्रपुर

(2) छात्राध्यापिका का नाम - बबिता महतो

(3) क्रमांक - 90

(4) कक्षा - 8 वी

(5) विषय - कुड़मालि

(6) प्रकरण - "बाढ़ना परब"

(7) कालखण्ड - प्रथम

(8) अवधी - 45 मिनट

(9) दिनांक - 28-06-2024

(10) सिखेक जिनिस (शिक्षण सहायक सामग्री - चौक, डसटर, चार्टपेपर, मोडल, स्लटिक (स्टीक) पीन, सिपामपट, सेलर बोर्ड, मारकर, वाइटबोर्ड

(11) सिखेक नियम (शिक्षण विधि) - स्वँय पाठ बिधि, उदाहरन बिधि, जेरिज्ञान बिधि, अगमन निगमन बिधि

12. समान्य उद्देश्य :–

(i) साड़ा-भंडार कर विकास कराउ हेब चाहि।

(ii) करमबद्द (क्रमबद्ध) भाव परनालि आर बिचार वेपजना (योजना) सरल करैब

(iii) छाउआ गा के साष्रा (शब्दो) लोकोक्ति कर खजानाइ परबिधि हैब।

(iv) गिआन बिबेक आर भलक्ष परितअ कर निरमान हैब

(v) छउआ गाके कलपनासिलता आर सिरजनातमकता कर बढ़ाउआ हैइब सहायक।

(13) विशिष्ट उद्देश्य :–

(i) छाउआ गा सुद्ध (स्पष्ट) पढ़इब बिसलेसन हेइ पारता।

(ii) पाठ के पढ़ि करि अरथ (मतलब) सिखेब बिसलेसन हेइ पारता

(iii) आरबाके साड़ाक खाजना (कोषो) बिरद्धि (वृद्धि) हैब।

(14) पूर्वज्ञान — " बांदना परब " इ पाठ कर अनुजाम कुड़मि संसकिरिति कर बालान करअल गेल आहेक।

(15) प्रस्तावना —

क्रमांक	छात्राध्यापिका कार्यशीलता	मूल्यांकन
1.	बांदना परब कबे हेइक ?	उ० कातिक मासे क आमावास दिने।
2.	बांदना परब केतना दिनेक हेके ?	उ० टेना
3	बांदना परबे चरब कने पुरअत ?	उ० बेटि छउआ

(16) पाठ की घोषणा :—

आज हामरा कुड़मि संसकिरिति अनुजाम 'बांदना परब' कर बालान करअब।

(17)

क्रमांक	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाकलाप
प्रथम	'बाढ़ना पर्व'	इ पाठ छल 'बाढ़ना पर्व' कर बारे बाताव आछ 'बाढ़ना पर्व' कुड़मि संसकिरिति कर एकटा पर्ब हेक। इ परब छल कुड़मिरा अपन सम्बंधित कर लोग-हसतुर कर बाताव करअक आ के देखअक गेल आछे 'बाढ़ना' परब टा कुल रूपे करतिक मासेक आमास दिन मानअल जाइ इ परब छल ओम करि पशु के पुजअल गेल आहेक।
	प्र०	कोंचि हुआरि करे करअ

छात्र / छात्राएँ संभावित कार्य	श्यामपट्ट कार्य	मूल्यांकन
इ पाठ टम जन- मि कथा गा आहेइक उ मिला छउआ गा धियान छै के सुनोहोअत आर सुम- सभे बुझअत।	"बांढ़ना परब" "बांढ़ना परब" सहसे कौंचि हुआरि करअत।	
उ० कौंचि हुआरि गहअल पुजाक आगु हिनके धारसे करअत		प्र० कौचि-हुआरि कन धारे काअत।

क्रमांक	शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशील
द्वितीय	रहै चरने मास्टर मिला छउआ के सिखावन बिंदु का बाबत करै जाइ करताक आर रहै चरने मास्टर छउआ मिला के नदा रूपके लेबल जाइ आबसर टेई लाहीयिन।	इ पठ कर रहैचरने 'बदना परब' केतना दिन मनाउअल पावक आर किना - किना काअल बाबत करि के छाउआ गा के समझाउआक गेल आहरे बदना परब मटा-मटि-टेा दिनेक मानाउअल आर अलग - अलग दिनेक आमिनु-मिनु नेग-दसतुर आहेक कौंदे - हुआर देके बाहे धिगाआनि बुलअल सबकाइ था जाइ जाइ के धिगाआनि गित गाउअल।
	प्र०	'बदना' परबे धिगाआनि केबे मुकअत?

छात्र/छात्राहरूं संबंधित कार्य	अभ्यास गृहकार्य	मूल्यांकन
छाउआ गा धिआन के सुनाहोहे।	गहल पुजा दिन गरइआ पिठा बनाउअत। जन पिठा नेहाउआ सेई मिलाके गरइआ पिठा कहीथक।	
30 – गहल पुजा राइते।		पु० एकटा जाहिर खुला गित लिखा?

क्रमांक	शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलता
तृतीय	बोधना पाठ का - - - - - - - - नेग का बोलाव	इ पाठ टाइ नेग दस्तुर का बोलाव करैल गेल आछैक। (1) कोंचि - छुआरि - इ नेग टाइ बेटि छउआ गिला छुआरे, वा आगन्हू, खाइ वा गावर गडबाई कोंचि छुआरि देत (2) गाठ पुजा - गाठ पुजा बर के गंठजोड़ कुलहि मुडाइ करअत। (3) गाहल पुजा - पुरस्ता पुजा के पति आउअछे गाहल पुजा टाइ कुड़मि ससकिरिताइ माहुर खुखडि का पुजा करअत। गाहल पुजाइ केतबा टा खुखडिक पुजा करअत ह,

छात्र/छात्राएं संबंधित क्षेत्र	श्यामपट्ट कार्य	मूल्यांकन
इ पाठ दाइ जन भि काया गा कहउल गते आहेइक् क्वाडुआ गा थिपान हेइ के सुलोहोत आर समझल	'बाहना पाल'	

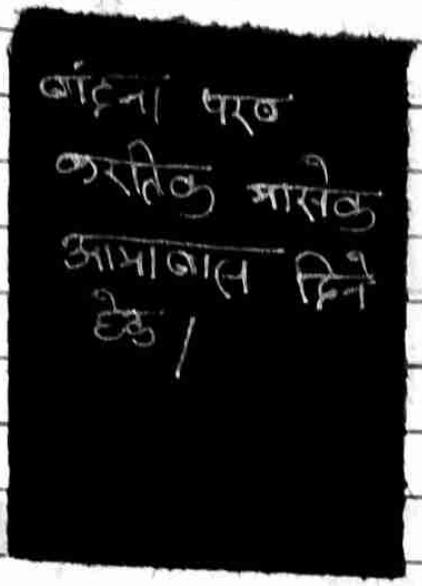

छात्र/छात्राएं संबंधित क्षेत्र	श्यामपट्ट कार्य	मूल्यांकन
3. गाहअल पुजाइ 3 (हेना) ; 5, 7, बा ॥ दा खुरबडि पुजाकाअल		प्र० - गाठ पुजा कब हेके ?

(१६) पुनरावृत्ति :– पाठक रहैत चलैत छात्रा मित्र के अटकन-भटकन निदान करबाक खातिर अवसर देल जाइछ। छात्रा मित्र के आपन-आपस रूप से सिखबाक खातिर अवसर देल जाइछ। साथे-साथे अध्यापन करय इ पाठ दा छुड़लि सामाजिक कए स्पष्ट पाठ छैक।

गृहकार्य :–

(१७) अपना पाठ कए याद करू।